विचार बिन्दु

करता सा सो क्यों किया, अब करि क्यों पछताए
बोवे पेड़ बबूल का, आम कहाँ से खाए। –कबीर

पीओके को भारत में मिलाने की तैयारी? अमेरिका की चेतावनी के मायने

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथसिंह और विदेश मन्त्री एस जयशंकर प्रसाद की ताज़ा टिप्पणियों ने भारत-पाकिस्तान में तनाव बढ़ा दिया है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि पाक अधिकृत कश्मीर अर्थात पीओके का भारत में विलय कभी भी हो सकता है। इस स्टेटमेंट के बाद दोनों देशों ने सीमाओं पर अपनी सेनाओं का भारी जमावड़ा आरम्भ कर दिया है। दरअसल पाकिस्तान एक असफल राष्ट्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। वहां मंहगाई आसमान छू रही है वहां के नागरिकों को आम जरूरतों जैसे आटा, दाल, तेल सब्जी की पूर्ति के लिए भी भारी मुसीबतों से जूझना पड़ रहा है। आतंकवादियों की शरणस्थली के रूप में कुख्यात पाकिस्तान को अपने ही देश के भीतर बलुचिस्तान और सिंध के विद्रोहियों से जूझना पड़ रहा है। इस बीच पीओके में तेजी से भारत के साथ विलय की मांग हो रही है। पीओके के नागरिकों की तो आम पाकिस्तानियों से भी बुरी हालत है। बस इसी मौके पर भारत सरकार ने पीओके को अपने में मिलाने की चाल चली है जिस पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारी प्रतिक्रिया हुई है। सबसे पहले अमेरिका ने आतंकवाद और सैन्य गतिविधि के जोखिम का हवाला देते हुए भारत-पाकिस्तान सीमा के पास के क्षेत्रों में अपने नागरिकों को यात्रा न करने की सलाह जारी की है। वैसे तो ऐसी एडवाइजरी समय-समय पर अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी सरकारें करती रहती है लेकिन विश्व में अनेक क्षेत्रों में चल रहे युद्धों के बीच एशिया में तनाव का यह नया क्षेत्र उभरना अमेरिका को परेशान करने वाला है। अमेरिका ने कहा है कि यह दोनों देशों के बीच नए सिरे से तनाव का उभार आया है, जिससे संभावित भू-राजनीतिक बदलावों के बारे में तेजी सवाल उठ रहे हैं। तो क्या भारत और पाकिस्तान के बीच कुछ बड़ा होने जा रहा है? अमेरिका की जारी एडवाइजरी तो यही इशारा कर रही है।

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लंबे समय से चल रहा है लेकिन यह मुद्दा हाल के घटनाक्रमों के बाद संभावित तनाव में वृद्धि करने वाला है। इसने इस बात को लेकर अटकलों को हवा दी है कि क्या दो परमाणु-सशस्त्र पड़ोसियों के बीच कोई बड़ी घटना घटने वाली है। तो क्या भारत और पाकिस्तान के बीच कुछ बड़ा होने जा रहा है? भारत-पाकिस्तान के बीच कश्मीर, सीमा पार आतंकवाद सैन्य झड़पों का ऐतिहासिक कारण रहा है। हालांकि भारत और पाकिस्तान के लिए नियंत्रण रेखा पर तनाव कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल की घटनाओं से वैश्विक बैचेनी का संकेत मिल रहे हैं। अमेरिका के बाद चीन और रूस ने भी संयम बरतने की अपील की है। पीओके को भारत में मिलाने की तैयारी दिन-प्रतिदिन तेज होती जा रही है पाकिस्तान इस समय एक असफल राष्ट्र के रूप में सामने आया हुआ है जो कई समस्याओं से एक साथ जूझ रहा है। ताजा तरीन मामला बलूचिस्तान का है जहां पर खुलेआम वहां के विद्रोहियों ने पाकिस्तान की सेना को चुनौती दे रखी है। यद्यपि यह सही है कि भारत और पाकिस्तान दोनों ही परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं और दोनों ही नहीं चाहेंगे कि युद्ध की ऐसी स्थिति बने जिसमें विनाशकारी हथियारों का उपयोग हो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस बात के निगरानी और चेतावनी लगातार जारी की जा रही है लेकिन पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को भारत में मिलना अब न केवल रणनीतिक रूप से जरूरी हो गया है बल्कि बलूचिस्तान और सिंध को भी भारत की सहायता से पाकिस्तान से अलग करने का समय आ गया है। पाकिस्तान कई टुकड़ों में विभाजित होकर नए तरह का भूभाग का स्वरूप बन जाएगा। स्वयं पाकिस्तानी नागरिक समय-समय पर भारत की विकसित और सफल अर्थव्यवस्था का जिक्र करते हैं और कहते हैं कि बेहतर होता कि हम भारत का हिस्सा ही होते।

भारत-पाकिस्तान के बीच संभावित तनाव के कारण निश्चित रूप से बहुत सारे मोर्चों पर विविधताएं और परेशानियां आएंगी लेकिन पीओके के कारण मोर्चे की हिफाजत पर होने वाले खर्च को यदि हम देखें और विगत 70 वर्षों में हमने जितना खर्च इस भूभाग की रक्षा के लिए अपनी सेना के माध्यम से किया है और जितना आतंकवाद झेला है उसको देखते हुए अब भारत की तैयारी कमजोर नहीं पड़नी चाहिए। भारत से उलझना पाकिस्तान सरकार के लिए वहां की जनता को वास्तविक मुद्दों से भटकना है वहीं भारत सरकार के लिए यहां की जनता के उफान खाते जन समर्थन को कैश कराना है।

भारत सरकार और भारतीय संविधान की दृष्टि में पूरा जम्मू और कश्मीर, जिसमें पीओके भी शामिल है, भारत का हिस्सा है। इसलिए जब भी पीओके पर भारत का नियंत्रण होगा, पीओके के लोग अपने आप भारतीय नागरिक हो जाएंगे। भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 के अनुसार, आप जन्म से, वंशानुगत आधार पर और रजिस्ट्रेशन के माध्यम से भारत की नागरिकता प्राप्त की जा सकती है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय संसद ने 1994 में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि पाकिस्तान के कब्जे में कश्मीर का जो हिस्सा पीओके है वो भारत का हिस्सा है और इसे वापस लिया जाएगा। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1 के अनुसार, भारत एक संघ है जिसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बारे में बताया गया है। जम्मू और कश्मीर भारतीय संघ का अभिन्न हिस्सा है और भारतीय संसद ने इस पर कई बार अपनी स्पष्ट स्थिति भी व्यक्त की है। भारत सरकार और भारतीय संविधान की दृष्टि में पूरा जम्मू और कश्मीर, जिसमें पीओके भी शामिल है, भारत का हिस्सा है। इसलिए जब भी पीओके पर भारत का नियंत्रण होगा, पीओके के लोग अपने आप भारतीय नागरिक हो जाएंगे। भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 के अनुसार, आप जन्म से, वंशानुगत आधार पर और रजिस्ट्रेशन के माध्यम से भारत की नागरिकता प्राप्त की जा सकती है।

भारतीय संविधान के मुताबिक, पीओके के लोग पहले से ही भारत के नागरिक माने जाते हैं, क्योंकि भारतीय संविधान जम्मू और कश्मीर जिसमें पीओके भी शामिल है को राज्य के सभी निवासियों को भारतीय नागरिक मानता है। मौजूदा सरकार मानती है कि हमें इस सम्बन्ध में सभी जरूरी कदम तेजी से उठाने होंगे। इसी क्रम में अगस्त 2019 में मोदी सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को समाप्त करने के फैसले ने भी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया था । उस समय सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा था कि पीओके भी उसी प्रक्रिया का हिस्सा है और इसे वापस लाने के लिए हर संभव कूटनीतिक और कानूनी और सामरिक कदम उठाए जाएंगे। क्या इस युद्ध में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल होगा, यह आशंका इसलिए है कि पाकिस्तान बार-बार ऐसी चेतावनी देता रहा है। लेकिन यह इतना आसान नहीं है। भारत के साथ-साथ पूरी दुनिया इस तरह की कोई भी हरकत किसी हालत में नही होने देंगे। रूस यूक्रेन के मध्य तीन साल से युद्ध चल रहा है इसमें रूस के लाखों सैनिक मारे जा चुके हैं लेकिन लगातार परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकियां देने के बावजूद रूस ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया। स्पष्ट है यहां सीधे-सीधे शक्ति संतुलन का नियम लागू होता है। भारत के लिए इस समय पाकिस्तान को सुलटाने का उचित समय है। इससे एक साथ दो मोर्चों पर संतुलन बनेगा। एक तरफ एक तरफ पाकिस्तान है तो दूसरी तरफ बांग्लादेश, जहां भारत विरोधी गतिविधियां तेज हैं। यदि बांग्लादेश को नियंत्रित करना है तो उसे पाकिस्तान से मिलने वाले समर्थन को रोकना होगा और यह काम पाकिस्तान पर प्रभावी अंकुश के रूप में ही हो सकता है।

इसी बीच रूसी नौसेना की फ्लीट ने पाकिस्तान का दौरा कर सबको चौंका दिया है। बहुत समय बाद ऐसा देखा गया है, जब रूसी नौसेना के युद्धपोत पाकिस्तान पहुंचे हैं। इन युद्धपोतों में दो फ्रिगेट और एक मध्यम श्रेणी का समुद्री टैंकर शामिल है। इसे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत को संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है। इससे पहले रूस ने भारत के साथ संबंधों के कारण पाकिस्तान से दूरी बनाकर रखी हुई थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में भू-राजनीतिक उठापठक के कारण रूस पाकिस्तान संबंधों में गर्मजोशी देखी गई है। भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा था, ''उनका देश पाकिस्तान के साथ अपनी आर्थिक भागीदारी बढ़ाना चाहता है, क्योंकि उसका मानना है कि एक कमजोर पाकिस्तान, भारत और अफगानिस्तान समेत क्षेत्र में किसी के हित में नहीं होगा।''

बाद में अलीपोव ने अपने इस बयान पर सफाई देते हुए कहा था कि उनका देश कभी भी ऐसा कुछ नहीं करेगा, जो भारत के हितों के लिए हानिकारक हों। उन्होंने कहा, हम पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों में कभी भी भारत के लिए नुकसान पहुंचाने वाला कुछ नहीं करेंगे। इस्लामाबाद के साथ हमारे सीमित रक्षा संबंध हैं। लेकिन, यह बहुत सीमित हैं और आतंकवाद विरोधी उद्देश्यों के लिए निर्देशित हैं। रूस भारत को यह संदेश देना चाहता है कि भारत अगर रूस के हितों का ध्यान नहीं रखता है तो रूस के पास भी पाकिस्तान से संबंधों को आगे बढ़ाने का विकल्प है। वहीं रूस और पाकिस्तान दोनों देश वर्तमान में दुनिया में अलग-थलग हैं और उन्हें एक-दूसरे की जरूरत भी है। लेकिन इस सबसे यह तो स्पष्ट है कि भारत के सम्भावित कदमों से पूरी दुनिया चौकन्नी है और अगले कदमों को सावधानी से देख रही है।

–राजेन्द्र मोहन शर्मा,
अतिथि संपादक
साहित्यकार, शिक्षाविद एवं चिन्तक

चंबल रिवर फ्रंट-अद्भुत और अकल्पनीय

राजेन्द्र भाणावत

हाल ही में मुझे कोटा जाने का अवसर मिला. वहां पर रिवर फ्रंट के रूप में नव विकसित आकर्षण को देखकर मुझे गर्व का अनुभव हुआ कि राजस्थान में भी इस प्रकार का निर्माण संभव हो पाया है। मेरे विचार से इस प्रकार का सुंदर रिवर फ्रंट न केवल भारत अपितु पूरी दुनिया में शायद कहीं नहीं है।

कोटा में इस प्रकार के विकास का विशेष महत्व है क्योंकि कोटा की छवि कभी भी पर्यटन नगरी के रूप में नहीं रही है। सत्तर के दशक तक कोटा की पहचान औद्योगिक नगरी के रूप में थी। यहां पर कई बड़े उद्योग जैसे जे के, श्रीराम रियोन्स, इंस्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड आदि थे जिनमें हजारों लोग कार्य करते थे। श्रमिक आंदोलन के कारण धीरे-धीरे यहां के अधिकांश उद्योग बंद होने लगे जिससे बेरोजगारी की समस्या ने बड़ा रूप ले लिया। फलवरूप, शहर में अपराध की घटनाओं में वृद्धि होने लगी।

इसके पश्चात कोटा की पहचान एक कोचिंग शहर के रूप में में बनी। यहां की प्रमुख कोचिंग संस्थाओं ने अपने उत्कृष्ट परिणामों के कारण शीघ्र ही देश में ख्याति प्राप्त कर ली। देश के विभिन्न भागों से छात्र-छात्राएं आईआईटी, जेईई , नीट आदि की की तैयारी के लिए कोटा आने लगे। एक समय तीन से चार लाख बच्चे यहां के विभिन्न कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई कर रहे थे। कुछ वर्षों बाद कई प्रमुख कोचिंग संस्थानों ने अन्य शहरों में अपनी शाखाएं खोल लीं। इस कारण कोचिंग के लिए कोटा आने वाले विद्यार्थियों की संख्या में बहुत कमी हो गई। परिणामस्वरूप, कोटा की जो छवि कोचिंग नगरी की बनी थी, वह भी धीरे-धीरे कम होने लगी।

कोटा के विधायक और पूर्व नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल द्वारा कोटा में कराए गए अनेक विकास कार्यों के कारण इसके पर्यटन नगरी के उभरने के संभावना बनी है। कोटा संभवतया भारत का अकेला ऐसा शहर होगा जहां कोई ट्रैफिक लाइट नहीं है। शहर में अनेक फ्लाईओवर और चौराहे विकसित किए गए हैं। प्रत्येक चौराहे को बहुत सुंदर रूप दिया गया है। कई स्थानों पर महापुरुषों की मूर्तियां स्थापित की गई हैं। यहां पर दुनिया के सात आश्चर्यों जैसे पेरिस की एफिल टावर, इटली की लीनिंग टॉवर ऑफ पीसा, रोम के कोलोसियम, ताजमहल, मिस्त्र के पिरामिड की बहुत सुंदर प्रतिकृतियां स्थापित की गई हैं।। ये कोटा के मध्य स्थित सरोवर झील के किनारे पर हैं।

शांति धारीवाल ने अपने दूसरे कार्यकाल 2018 से 23 के मध्य कोटा के और अधिक विकास पर पूरा ध्यान केंद्रित किया। इनमें सबसे महत्वपूर्ण कार्य, चंबल नदी के दोनों किनारों पर रिवर फ्रंट को विकसित करने का किया गया। लगभग ढाई वर्ष की अल्प अवधि में 1200 करोड रुपए की लागत से ऐसा रिवर फ्रंट बना दिया, जिसका विश्व में कोई सानी नहीं है। इसके कारण यहां पर्यटकों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है और कोटा राजस्थान के प्रमुख पर्यटक नगर के रूप में विख्यात हो सकता है। दोनों रिवर फ्रंट को ''ईस्ट रिवर फ्रंट''और ''वेस्ट रिवर फ्रंट'' के नाम से जाना जाता है। इसके आर्किटेक्ट अनूप बरतरीया हैं। ईस्ट रिवरफ्रंट लगभग 5 किलोमीटर लंबा है और यह नया पुरा घाट से प्रारंभ होकर कोटा बैराज तक जाता है। इसके प्रारंभ में बुकिंग ऑफिस, पार्किंग इत्यादि की सुविधाएं हैं।

इसके बाद एक के बाद स्थापत्य कला के अनेक बेजोड़ नमूने निर्मित किए गए हैं। दोनों फ्रंट पर कुल लगभग 26 घाट विकसित किए गए हैं। पूर्व मे सबसे पहले है नयापुरा घाट, जिसे नयाघाट बावड़ी का पुनरुद्धार कर विकसित गया है। इसमें बंसी पहाड़पुर का पत्थर काम में लिया गया है इसमें कुल 932 सीढ़ियां हैं। इसके बाद गणेश पोल, सिंह घाट, उत्सव घाट और साहित्य घाट हैं। साहित्य घाट को किताबों के पृष्ठ के रूप में बनाया गया है। इसका उद्देश्य सृजनशील लेखन की प्रेरणा देना है ।इसके बाद छोटी- बड़ी समद, सुरभि वाटिका और महात्मा गांधी सेतु तथा हाड़ौती घाट हैं। हाड़ोती घाट पर बूंदी की प्रसिद्ध चौरासी खंभों की छतरी का सुंदर निर्माण दिखाई देता है। इसके आगे विश्व मैत्री घाट है। इस घाट पर विश्व के प्रमुख स्मारकों की बहुत सुंदर प्रतिकृतियां बनाई गई है जैसे इटली का ट्रैवी स्क्वायर, पगोड़ा अमरीका का कैपिटल। इसके आगे शीश महल, जंतर मंतर घाट और गणेश पोल हैं। इनमें बहुत सुंदर चित्रकारी भी की हुई है। यहां पर धातु से निर्मित बहुत बड़ा ग्लोब भी बनाया गया है इसमें विभिन्न महाद्वीप दर्शाए गए हैं और इन महाद्वीपों पर वहां के संबंधित विभिन्न महापुरुषों की मूर्तियां बनाई गई हैं। इसी प्रकार एक वृत्ताकार आकृति में 12 राशियों के प्रतीक चिन्ह जैसे मीन ,वृश्चिक, कुंभ, आदि के शिल्प बहुत उच्च श्रेणी के बनाए गए हैं । यह व्यवस्था भी की गई है कि पर्यटक अपनी राशि के समक्ष बनाई गई कुर्सी पर बैठ कर फोटो ले सके। इसके पश्चात अति सुंदर चंबल माता घाट बनाया गया है, जहां प्रतिदिन संध्या चंबल की आरती की जाती है। यह उसी प्रकार की है जैसे वाराणसी में गंगा आरती या जबलपुर में नर्मदा आरती है।

यहीं पर अति सुंदर और प्रभावकारी लेज़र शो का आयोजन प्रति एक घंटे के बाद होता है। संगीत मय फव्वारे (म्यूजिकल फाउंटेन) भी नियमित चलते रहते हैं जो संगीत और उसकी लय पर चलते रंगीन फव्वारों का अदभुत दृश्य प्रस्तुत करते हैं। पूरे रिवर फ्रंट पर कई स्थानों पर राजस्थानी लोक नृत्यों का प्रदर्शन निरंतर चलता रहता है। ये प्रस्तुतियां वीणा म्यूज़िक द्वारा दी जाती हैं जो राजस्थानी लोक संगीत को जन जन तक पहुंचाने का कार्य वर्षों से कर रही है।मधुर राजस्थानी लोक संगीत तो आपको हर घाट पर सुनाई ही देता है। रिवर फ्रंट की पांच किलोमीटर की दूरी को आप पैदल पूरी कर सकते हैं और यदि समय कम हो या चलने में असुविधा हो, तो गोल्फ कार्ट प्रति व्यक्ति सौ रुपए में किराए पर उपलब्ध हैं। इनमें आप कहीं से भी बैठ सकते हैं और उतर सकते हैं। कुल मिलाकर पर्यटकों को एक अलग ही प्रकार का भव्य और अद्भुत अनुभव प्रदान करने की सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। अनेक प्रकार के स्वादिष्ट भोजन प्राप्त करने की भी पूरी व्यवस्थाएं की गई हैं। पर्यटकों की संख्या बढ़ने पर ये सब भी प्रारंभ हो जाएंगी। इसके बाद ईस्ट रिवर फ्रंट से बाहर निकलने का रास्ता है।

राजेंद्र भाणावत, पूर्व आईएएस
पूर्व निदेशक, पर्यटन विभाग, राजस्थान

शेष अगले अंक में .....

होली स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न, गैर नृत्य व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही

डूंगरपुर, (निसं)। आसपुर विधानसभा क्षेत्र के पिपलाहेण मताई मंडल अंतर्गत ग्राम पंचायत पारड़ा थूर (पालथूर) में दूसरा फसलोत्सव 2025, होली स्नेह मिलन, गैर नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया।

- **आयोजन का मुख्य आकर्षण भील प्रदेश की सांस्कृतिक झलक, भील प्रदेश रूपाली, भील प्रदेश रूपाला, महिला मटका दौड़, लेजम नृत्य, गैर नृत्य आदि प्रस्तुतियां रही**
- **गैरिये पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे दिखे और उन्होंने अपने पुरखों की परंपरा व संस्कृति को सजीव बनाए रखने का संकल्प लिया**

आयोजन का मुख्य आकर्षण भील प्रदेश की सांस्कृतिक झलक, भील प्रदेश रूपाली, भील प्रदेश रूपाला, महिला मटका दौड़, लेजम नृत्य, गैर नृत्य और आदिवासी संस्कृति पर आधारित विशेष प्रस्तुतियां रही। गैरिये पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे दिखे और उन्होंने अपने पुरखों की परंपरा व संस्कृति को सजीव बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में आसपुर विधायक उमेश मीणा सहित कई गणमान्य अतिथियों ने उपस्थिति दर्ज कराई और सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाली टीमों का उत्साहवर्धन किया। महिला और पुरुष वर्ग की विजेता टीमों को विधायक उमेश मीणा ने प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया।

ग्राम पंचायत पारडा थूर (पालथूर) में होली स्नेह मिलन समारोह पर लोगों ने नृत्य किया।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों, मातृशक्ति, युवाओं और बच्चों की भी बड़ी संख्या में भागीदारी रही। पारंपरिक परिधान में गैर खेलते समाज के लोगों का जोश और उत्साह देखने लायक था। इसके साथ ही समाज के प्रतिभाशाली महिलाओं और पुरुषों को मंच पर सम्मानित कर उनके योगदान की सराहना की गई। यह आयोजन अपनी भव्यता, सांस्कृतिक समरसता और समाज के उत्साह के कारण क्षेत्र में लंबे समय तक यादगार बना रहेगा।

पोकरण में ऐतिहासिक विरासत पर्यटकों को आकर्षित कर रही है

पोकरण शहर अब पर्यटन के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है

पोकरण, (निसं)। राजस्थान का ऐतिहासिक शहर पोकरण अब पर्यटन के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। जहां एक ओर यह अपनी राजस्थानी संस्कृति, परंपराओं और शक्ति व भक्ति स्थलों के लिए प्रसिद्ध है, वहीं दूसरी ओर परमाणु शक्ति की ऐतिहासिक उपलब्धि ने इसे विश्व वमानचित्र पर अलग पहचान दिलाई है।

पोकरण भगवान परशुराम, साधुजी, बालिनाथ महाराज एवं डुगरपुरी महाराज की तपोस्थली रही है। यह ऐसे महात्माओं की भूमि है, जिन्होंने अलौकिक शक्तियों से समाज सेवा की और अपने तपोबल से विज्ञान से परे सिद्धियां प्राप्त की। विक्रम संवत् 1062 के शिलालेख के अनुसार भगवान परशुराम ने यहां कठोर तपस्या की थी। पोकरण गढ़, जिसे विक्रा संवत् 1532 में मालम देव ने स्थापित किया था, अपने लाल पत्थरों के किले, नक्काशीदार हवेलियों और ऐतिहासिक छतरियों के लिए प्रसिद्ध है। इसके अलावा नापासर कुंड, कैलाश टेकरी मंदिर, सरोवर मंदिर, भैरव राक्षस गुफा, इस्लामिया मदरसा जैसे धार्मिक स्थल पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। वहीं लोकदेवता बाबा रामदेवजी की समाधि रुणिचा धाम में स्थित है, जहां प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु देश-विदेश से दर्शन करने आते हैं। यहां स्थित रामसरोवर में श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाते हैं। वहीं पोकरण को 1974 और 1998 में हुए परमाणु परीक्षणों के कारण अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिली। यह स्थान अब परमाणु पर्यटन के रूप में विकसित हो रहा है। सरकार द्वारा यहां नए पर्यटन प्रोजेक्ट्स पर कार्य किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

- **सरकार द्वारा यहां नए पर्यटन प्रोजेक्ट्स पर कार्य किया जा रहा है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं**

पोकरण में कई हजारों बीघा से अधिक भूमि पर सौर एवं पवन ऊर्जा संयंत्र स्थापित हैं, जिससे बिजली उत्पादन के साथ-साथ स्थानीय युवाओं को रोजगार भी मिल रहा है। वहीं पर्यटन के विकास से रेगिस्तानी सफारी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ रही है, जिससे पर्यटन व्यवसाय को लाभ हो रहा है। साथ ही, हस्तशिल्प, मिट्टी के बर्तन, पारंपरिक मिठाइयां (जैसे चमचम) और खिलोनों के उद्योग को भी बढ़ावा मिल रहा है। व्यापार मंडल अध्यक्ष एवं समाजसेवी राजेश व्यास ने केंद्र एवं राज्य सरकार से परमाणु नगरी को विशेष वित्तीय पैकेज देने और इसे पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने की मांग की है। इससे पर्यटकों की आवक बढ़ेगी और क्षेत्र का समग्र विकास होगा। पोकरण की मिट्टी में कुछ तो खास है, जो इसे शक्ति, भक्ति और विज्ञान के संगम के रूप में पहचान दिला रही है।

राशिफल गुरूवार 20 मार्च, 2025

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, अनुराधा नक्षत्र रात्रि 11:32 तक, वज्र योग सायं 6:14 तक, गर करण दिन 1:41 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 11:32 तक है। रवियोग रात्रि 11:32 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 2:41 से आरम्भ होगी। सायन मेष में सूर्य प्रवेश दिन 2:32 पर होगा। आज रांधा पुआ है, आज बसन्त समाप्त, महाविषुभ दिन, श्री एकनाथ षष्ठि है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:45 तक, चर 11:05 से 12:34 तक, लाभ-अमृत 12:34 से 3:34 तक, शुभ 5:04 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:35, सूर्यास्त 6:34

मेष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

सिंह
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

धनु
घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अतिथियों के आगमन से आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव बना रहेगा।

वृश्चिक
घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मीन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।